73/2021

2.6.23 वादी एवं उनके वकील द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर पत्रावली आज तलब की गई। वादी स्वंय द्वारा उपस्थित होकर अपना वाद जरिये राजीनामा के विड्रो करने का निवेदन किया।

वादी एवं उनके वकील की बहस है कि उक्त वाद में पक्षकारान के मौजिज गांव के मौजिज व्यक्तियों एवं आपसी समझाईश से राजीनामा हो गया है। अतः लोकहित की भावना से प्रेरित होकर हम अपनी ओर से प्रस्तुत उक्त वाद को विड्रो करना चाहते है। ऐसी स्थिति में प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए वाद जरिये राजीनामा के विड्रो किया जाये। वादी के उक्त प्रार्थना पत्र को स्वीकार किये जाने में प्रतिवादी वकील द्वारा अपनी अनापत्ति व्यक्त की गई है।

हमने वादी वकील के द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों पर मनन एवं पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजों का अवलोकन किया गया, चूंकि पक्षकारान के मध्य आपसी समझाईश एवं लोकभावना से प्रेरित होकर राजीनामा किया जाकर उक्त वाद को जरिये विड्रो खारिज करवाना चाहते है, ऐसी स्थिति में लोकभावना को दृष्टिगत प्रार्थी का प्रार्थना पत्र न्यायहित में स्वीकार किया जाना अदालत उचित समझती है।

अतः वादी एवं उनके वकील द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए उक्त वाद इसी स्तर पर जरिये राजीनामा विड्रो के खारिज किया जाता है।

पत्रावली फैसल सुमार होकर दाखिल दफ्तर एवं नम्बर से कम हो।